

3. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'निर्मला' उपन्यास की तात्त्विक समीक्षा कीजिए ।
4. नाटक की परिभाषा देते हुए नाटक के तत्वों पर प्रकाश डालिए ।
5. भक्तिकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए ।
6. संतकाव्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।
7. निम्नलिखित समस्त पदों (शब्दों) का विग्रह करते हुए बताइए कि वे समास के किस प्रकार के उदाहरण हैं ?
आशातीत, नीतियुक्त, ईश्वरप्रदत्त, मदमाता, सेनापति, चौराहा, राम-कृष्ण, भाई-बहन, नीलकण्ठ, लंबोदर ।
8. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर मुहावरों एवं लोकोक्तियों का वाक्य में प्रयोग कीजिए -
मुँह छिपाना, सिर उठाना, बात का धनी, नाक रगड़ना, कान भरना, नौ-दो ग्यारह होना, जूते चाटना, पेट में चूहे कूदना, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता, एक पंथ दो काज ।

Exam. Code : 103204

Subject Code : 1099

B.A./B.Sc. 4th Semester

HINDI (Elective)

(Upnyas, Natak : Sidhantik, Vyakaran Tatha Bhaktikal)

Time Allowed—2 Hours]

[Maximum Marks—100

नोट :— आठ प्रश्नों के समान अंक हैं। विद्यार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का प्रयास करना आवश्यक है।

निर्देश - संदर्भसहित व्याख्या कीजिए -

1. गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं । पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता । इन्हीं का उसे बल और गौरव होता है । निर्मला के पाँच - छह हजार के गहने थे । जब उन्हें पहन कर वह निकलती थी, तो उतनी देर के लिए उल्लास से उसका हृदय खिला रहता था । एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र था !
2. राजनीति एक दर्शन थी, मनुष्य को श्रेष्ठ और सुन्दर बनाने के लिए । तुम्हारी आज की राजनीति उसी मनुष्य को बरबाद कर सिर्फ वही सत्ता और 'लग्जरी' हथियाने का 'शार्टकट' है ।